



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 108]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 29, 2006/ज्येष्ठ 8, 1928

No. 108]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 29, 2006/JYAISTHA 8, 1928

प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मई, 2006

सं ओ आई 11014/5/2006-डी.एस.—प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार स्थापित करने वाली दिनांक 15 नवम्बर, 2002 की अधिसूचना संख्या 1/5/2002-पब्लिक में आंशिक संशोधन करते हुए और दिनांक 9 जनवरी, 2003 तथा 8 जनवरी, 2004 की समसंख्यक अधिसूचनाओं के क्रम में, भारत के राष्ट्रपति प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कारों के निम्नलिखित संशोधित विनियमन अनुमोदित करते हैं :

1. इस पुरस्कार का नाम "प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार" होगा।
2. ये पुरस्कार उन अनिवासी भारतीयों, भारतीय मूल के व्यक्तियों अथवा अनिवासी भारतीयों/भारतीय मूल के व्यक्तियों के संगठन/संस्था को प्रदान किए जाएंगे, जिन्होंने अपने क्षेत्र में अति उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करने के अतिरिक्त, विदेशों में भारत और भारतीय सभ्यता की बेहतर जानकारी को प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ट योगदान दिया है और/अथवा भारत के हितों और सरोकारों के प्रति सहयोग प्रदान किया है और भारत के हितों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाया है और/अथवा जिन्होंने विदेशों में रह रहे भारतीयों को महत्वपूर्ण योगदान दिया है अथवा उनकी सेवा की है।
3. प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार स्थापित हो जाने पर अनिवासी भारतीयों एवं भारतीय मूल के व्यक्तियों को पद्म पुरस्कार देने के बारे में विचार किया जाता रहेगा। पद्म पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार के लिए भी पात्र होंगे।
4. प्रति वर्ष पुरस्कारों की अधिकतम संख्या पन्द्रह (15) होगी।
5. इस पुरस्कार में भारत के राष्ट्रपति के हस्ताक्षर और मोहर द्वारा जारी द्विभाषी प्रशस्ति पत्र के अतिरिक्त एक प्रशंसात्मक उल्लेख और एक स्वर्ण-पदक दिया जाएगा। मेडल का डिजाइन और स्पेसीफिकेशन का निर्धारण प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।
6. ये पुरस्कार यथासंभव प्रतिवर्ष प्रवासी भारतीय दिवस पर 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले औपचारिक समारोह में प्रदान किए जाएंगे।
7. ये पुरस्कार राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति अथवा प्रधान मंत्री, इनमें से जो भी उपलब्ध हो, द्वारा प्रदान किए जाएंगे।
8. सुयोग्य व्यक्तियों का नामांकन निम्नलिखित द्वारा किया जाएगा :-
 - विदेश स्थित भारतीय राजनयिक मिशनों के प्रमुख; (पोस्ट के प्रमुख अर्थात् महावाणिज्यिकदूतों द्वारा प्रस्तावित नामांकनों की जांच सम्बन्धित भारतीय राजनयिक मिशन प्रमुख द्वारा की जाएगी)

- भारतीय मूल के संसद विद;
 - गांधी शांति पुरस्कार अथवा “जवाहर लाल नेहरू अवार्ड फॉर इंटरनेशनल अंडरस्टैंडिंग” के पूर्व पुरस्कार प्राप्तकर्ता;
 - प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय की स्थाई समिति के अध्यक्ष; और
 - प्रमुख प्रवासी भारतीय व्यक्ति और संस्थाएं (प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय द्वारा किए गए निर्णय के अनुसार)
9. प्रस्तावित नामिति यह प्रख्यापन देगा/देगी कि वह पुरस्कार प्राप्त करने का इच्छुक है और भारत आकर पुरस्कार प्राप्त करने के लिए उसका स्वास्थ्य ठीक है।
 10. जूरी-एवं-पुरस्कार समिति द्वारा स्वतः कोई नामांकन नहीं किया जाएगा।
 11. जूरी-एवं-पुरस्कार समिति के कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय द्वारा गठित अधिकारियों की एक समिति सिफारिशों की सूची में से चुनाव करेगी।
 12. चुने गए नामांकनों को जूरी-एवं-पुरस्कार समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जूरी-एवं-पुरस्कार समिति का गठन इस प्रकार होगा :—
 - भारत के उपराष्ट्रपति —अध्यक्ष
 - प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री —उपाध्यक्ष
 - प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव —सदस्य
 - गृह सचिव —सदस्य
 - विदेश सचिव —सदस्य
 - प्रधानमंत्री द्वारा मनोनीत किए जाने वाले पांच सदस्य
 - सचिव, प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय सदस्य-सचिव
 13. जूरी-एवं-पुरस्कार समिति की सिफारिश प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की जाएगी।
 14. जिन व्यक्तियों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा उनके नाम पुरस्कार दिए जाने वाले दिन से पूर्व भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे।
 15. ये पुरस्कार मरणोपरान्त नहीं दिए जाएंगे सिवाय ऐसे बिरले मामलों में, जहां किसी व्यक्ति की मृत्यु पुरस्कार की घोषणा से पहले एक वर्ष के भीतर हुई हो।
 16. पुरस्कार प्राप्तकर्ता के संबंध में बाद में कोई प्रतिकूल जानकारी ध्यान में आने पर राष्ट्रपति पुरस्कार को रद्द/निष्प्रभावी कर सकेंगे।

मलय मिश्र, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF OVERSEAS INDIAN AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th May, 2006

No. 01-11014/5/2006-DS.—In partial modification of the Notification number 1/5/2002-Public dated 15th November 2002 instituting the Pravasi Bharatiya Samman Awards and in continuation of the Notifications of even number dated 9th January, 2003 and 8th January, 2004, the President of India has approved the following revised regulations of the Pravasi Bharatiya Samman Awards :

1. The Award shall be known as “Pravasi Bharatiya Samman Award”.
2. The Award shall be conferred on a Non-Resident Indian (NRI), Person of Indian Origin (PIO) or a NRI/PIO organization/institution, who, besides achieving great eminence in his/her own field, has made outstanding contributions towards fostering better understanding abroad of India and its civilization and/or has extended his/her support to India's causes and concerns and has advanced her interests internationally and/or who has made significant contribution or service to the Indian Diaspora.
3. With the institution of Pravasi Bharatiya Samman Awards, NRIs and PIOs shall continue to be considered for Padma Awards. Padma Awardees will also be eligible for Pravasi Bharatiya Samman Award.
4. The maximum number of Awards each year shall be fifteen (15).
5. The Award shall carry a bilingual Sanad under the hand and the seal of the President of India in addition to

- a citation and a gold medallion. The Ministry of Overseas Indian Affairs shall finalize the design and specification of the medallion.
6. The Awards shall be presented at a formal ceremony to be organized by the Ministry of Overseas Indian Affairs, as far as possible, at the Pravasi Bharatiya Divas on 9th January every year.
 7. The Awards shall be presented either by the President, Vice-President or Prime Minister depending upon the availability of these dignitaries.
 8. The nominations of deserving persons/institutions shall be made by the following :
 - Heads of Indian Diplomatic Missions abroad; (nominations proposed by Heads of Posts, i.e. Consul Generals, will have to be vetted by the concerned Head of Mission) ;
 - Parliamentarians of Indian Origin;
 - Past awardees of the Gandhi Peace Prize or the Jawaharlal Nehru Award for International Understanding;
 - Chairman of the Standing Committee of the Ministry of Overseas Indian Affairs; and
 - Prominent Overseas Indian personalities and associations (as decided by the Ministry of Overseas Indian Affairs)
 9. The proposed nominee shall give a declaration that he/she is willing to receive the award and that he/she is in sound health to be able to come to India to receive the award.
 10. There will be no suo motu nomination by the Jury-cum-Awards Committee.
 11. A Committee of officers, constituted by the Ministry of Overseas Indian Affairs, will shortlist the recommendations to facilitate the work of the Jury-cum-Awards Committee.
 12. The short listed nominations shall be placed before the jury-cum-Awards Committee with the following composition :
 - Vice-President of India—Chairman
 - Minister of Overseas Indian Affairs—Vice-Chairman.
 - Principal Secretary to the Prime Minister—Member
 - Home Secretary—Member
 - Foreign Secretary—Member
 - Five members to be nominated by the Prime Minister
 - Secretary, Ministry of Overseas Indian Affairs—Member-Secretary
 13. The recommendation of the Jury-cum-Awards Committee shall be submitted to the Prime Minister and President for approval.
 14. The names of the persons, upon whom the award is conferred, shall be published in the Gazette of India prior to the day of presentation of the awards.
 15. The Awards shall not be given posthumously except in very rare cases where the person had died within a year preceding the announcement of the Award.
 16. The President may cancel and annul an Award in the event of any adverse information on the awardees coming to light subsequently.

MALAY MISHRA, Jt. Secy.